भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1048
गुरूवार, 10 फरवरी, 2022/21 माघ, 1943 (शक)

बेरोजगारी दर में वृद्धि

1048. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डाः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत पाँच वर्षों के दौरान देश में बेरोजगारी बढ़ रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) विगत पांच वर्षों में से प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में राज्य-वार/संघ राज्य-क्षेत्र-वार कितनी नौकरियां सृजित हुई हैं;

(ग) महाराष्ट्र सहित देश में बेरोजगारी के उन्मूलन हेतु सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं/कार्यक्रमों तथा उक्त अवधि के दौरान प्राप्त की गई उपलब्धियों का वर्ष-वार तथा राज्य-वार/ संघ राज्य-क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) तत्संबंधी पूर्ण ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) एवं (ख): वर्ष 2017-18, 2018-19 एवं 2019-20 के दौरान आयोजित वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015-16 और 2016-17 के दौरान आयोजित रोजगार-बेरोजगारी सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की सामान्य स्थिति आधार पर वर्ष-वार/राज्य-वार अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) और कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) अनुबंध-I पर है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार 2017-18, 2018-19 एवं 2019-20 के दौरान संगठित और असंगठित क्षेत्र में रोजगार निम्नानुसार है:

अनुमानित रोजगार (करोड़ में)		
वर्ष	संगठित	असंगठित
2017-18	9.05	38.07
2018-19	9.46	39.32
2019-20	9.55	43.99

(ग) एवं (घ): नियोजनीयता में सुधार करते हुए रोजगार का सृजन करना सरकार की प्राथमिकता रही है। तदनुसार, भारत सरकार ने देश में रोजगार का सृजन करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। भारत सरकार ने व्यवसाय को प्रोत्साहन प्रदान करने और कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज के तहत, सरकार सत्ताईस लाख करोड़ रुपए से अधिक का राजकोषीय प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। इस पैकेज में देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए विभिन्न दीर्घकालिक योजनाएं/कार्यक्रम/नीतियां शामिल हैं।

आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई) आत्मनिर्भर भारत पैकेज 3.0 के अंग के रूप में सामाजिक सुरक्षा लाभों के साथ- साथ नए रोजगार का सृजन करने हेतु नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करने तथा कोविड-19 महामारी के दौरान रोजगार की हानि के प्रतिस्थापन हेतु 1 अक्तूबर, 2020 से प्रारंभ की गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही यह योजना नियोक्ताओं पर वित्तीय दबाव को कम करती है एवं उन्हें और अधिक कर्मचारियों को कार्य पर रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। लाभार्थियों के पंजीकरण की अंतिम तिथि को 30 जून, 2021 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2022 कर दिया गया है। 29.01.2022 तक 1.26 लाख प्रतिष्ठानों के माध्यम से 46.89 लाख लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया है।

सरकार द्वारा स्व-रोजगार को सुकर बनाने के लिए, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) कार्यान्वित की जा रही है। पीएमएमवाई के अंतर्गत सूक्ष्म/लघु व्यापारिक उद्यमों तथा व्यक्तियों को अपने व्यापारिक कार्यकलापों को स्थापित करने अथवा विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए 10 लाख रुपए तक का गैर-जमानती ऋण प्रदान किया जाता है। इस योजना के तहत 21.01.2022 तक 32.12 करोड़ ऋण संस्वीकृत किए गए।

सरकार ने 20 जून, 2020 को 125 दिनों का गरीब कल्याण रोजगार अभियान (जीकेआरए) शुरू किया था ताकि बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 6 राज्यों के 116 चयनित जिलों में वापस लौटने वाले प्रवासी कामगारों तथा इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं सहित प्रभावित व्यक्तियों के लिए रोजगार और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके। इस अभियान ने 39,293 करोड़ रुपये के कुल व्यय के साथ 50.78 करोड़ मानव दिवस का रोजगार सृजन प्राप्त किया है।

पीएम गतिशक्ति आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। यह दृष्टिकोण सात इंजनों, सड़क, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, जन परिवहन, जलमार्ग और रसद बुनियादी ढांचे द्वारा संचालित है। यह दृष्टिकोण स्वच्छ ऊर्जा और सबका प्रयास द्वारा संचालित है जिससे सभी के लिए नौकरी और उद्यमशीलता के विशाल अवसर पैदा होते हैं।

सरकार ने राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन पर निरंतर ध्यान देने के मध्य रेलवे, सड़क, शहरी परिवहन, बिजली, दूरसंचार, कपड़ा और किफायती आवास पर जोर दिया है। बजट 2021-22 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2021-22 से शुरू होकर 5 साल की अवधि के लिए उत्पादन-संबंद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू कीं। इन सभी पहलों से सामूहिक रूप से रोजगार पैदा करने और मध्यम से लंबी अवधि में बड़े परिणामों के माध्यम से उत्पादन को बढ़ावा देने की आशा है।

भारत सरकार पर्याप्त निवेश वाली विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहित कर रही है जिसमें रोजगार सृजन हेतु सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), ग्रामीण विकास मंत्रालय की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई), आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय की दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) आदि जैसी योजनाओं पर सार्वजनिक व्यय करना शामिल है। योजनाओं की प्रगति का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध-II से V पर है।

इन पहलों के अतिरिक्त, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी मिशन, जीर्णोद्धार एवं शहरी रूपांतरण हेतु अटल मिशन, सभी के लिए आवास, अवसंरचना विकास तथा औद्योगिक गलियारों जैसे सरकार के विभिन्न फ्लैगशिप कार्यक्रम भी रोजगार के अवसर सृजित करने के प्रति उन्मुख हैं।

*****

अनुबंध-I

राज्य सभा के दिनांक 10.02.2022 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1048 के भाग (क) एवं (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

सामान्य स्थिति दृष्टिकोण के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर) और कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर)* का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	कामगार जनसंख्या अनुपात (% में)					बेरोजगारी दर (यूआर) (% में)				
	श्रम ब्यूरो		पीएलएफएस			श्रम ब्यूरो		पीएलएफएस		
	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
आंध्र प्रदेश	61.6	65.0	57.2	54.8	55.5	3.5	3.1	4.5	5.3	4.7
अरुणाचल प्रदेश	62.1	54.6	42.3	40.9	44.3	3.9	4.2	5.8	7.7	6.7
असम	50.6	59.4	43.7	43.4	43.2	4.0	4.4	7.9	6.7	7.9
बिहार	48.4	43.7	35.5	36.4	39.7	4.4	5.4	7.0	9.8	5.1
छत्तीसगढ	67.3	55.8	62.4	61.2	65.4	1.2	2.9	3.3	2.4	3.3
दिल्ली	40.8	41.5	42.7	44.5	43.3	3.1	4.6	9.4	10.4	8.6
गोवा	44.7	43.9	42.9	45.9	47.3	9.0	10.1	13.9	8.7	8.1
गुजरात	49.0	49.2	47.4	49.7	54.7	0.6	0.8	4.8	3.2	2.0
हरियाणा	44.7	43.4	41.7	41.9	42.9	3.3	5.2	8.4	9.3	6.4
हिमाचल प्रदेश	40.8	46.7	58.9	63.9	70.5	10.2	2.6	5.5	5.1	3.7
जम्मू और कश्मीर	36.7	39.0	51.0	52.9	52.5	6.6	8.1	5.4	5.1	6.7
झारखंड	65.2	46.7	41.7	44.9	53.6	2.2	5.8	7.5	5.2	4.2
कर्नाटक	55.5	56.9	49.1	49.3	53.1	1.4	1.8	4.8	3.6	4.2
केरल	45.2	45.2	41.2	44.9	45.3	10.6	11.1	11.4	9.0	10.0
मध्य प्रदेश	44.8	49.6	54.3	52.3	57.7	3.0	4	4.3	3.5	3.0
महाराष्ट्र	52.2	55.9	50.5	50.6	55.7	1.5	1.6	4.8	5.0	3.2
मणिपुर	59.9	61.7	42.5	44.3	45.5	3.4	3.9	11.5	9.4	9.5
मेघालय	62.8	64.8	62.3	61.8	58.6	4.0	3.3	1.6	2.7	2.7
मिजोरम	67.4	66.4	46.4	45.6	50.7	1.5	2.9	10.1	7.0	5.7
नागालैंड	63.5	51.8	32.8	38.1	44.8	5.6	5.2	21.4	17.4	25.7
ओड़िशा	51.2	47.1	44.9	47.6	51.9	3.8	4.7	7.1	7.0	6.2
पंजाब	40.2	43.1	42.9	44.2	47.8	5.8	6.5	7.7	7.4	7.3
राजस्थान	53.7	50.2	48.2	50.0	55.0	2.5	2.7	5.0	5.7	4.5
सिक्किम	61.4	52.0	58.7	61.1	68.8	8.9	5.9	3.5	3.1	2.2
तमिलनाडु	56.3	59.0	51.0	51.4	55.3	3.8	3.7	7.5	6.6	5.3
तेलंगाना	56.6	64.1	49.8	50.6	55.7	2.7	2.7	7.6	8.3	7.0
त्रिपुरा	61.9	57.9	42.0	41.9	49.6	10.0	15	6.8	10.0	3.2
उत्तराखंड	44.6	44.5	40.6	41.4	49.5	6.1	3.3	7.6	8.9	7.1
उत्तर प्रदेश	43.7	45.4	41.8	40.8	45.1	5.8	5.2	6.2	5.7	4.4
पश्चिम बंगाल	50.7	49.6	47.8	49.7	49.7	3.6	3.7	4.6	3.8	4.6
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	54.1	50.6	48.7	49.1	49.8	12.0	8.3	15./8	13.5	12.6
चंडीगढ़	37.1	40.5	46.9	47.3	45.5	3.4	1.3	9.0	7.3	6.3
दादरा और नगर हवेली	45.4	42.8	66.3	68.6	72.2	2.7	1.8	0.4	1.5	3.0
दमन और दीव	50.1	53.0	63.2	55.1	64.5	0.3	1.5	3.1	0.0	2.9
लक्षद्वीप	34.6	50.3	34.4	29.5	48.0	4.3	5.2	21.3	31.6	13.7
पुड्डुचेरी	50.9	48.5	37.8	47.8	47.7	4.8	5.7	10.3	8.3	7.6
लद्दाख	-		-	-	62.7	-		-	-	0.1
अखिल भारतीय	**50.5**	**50.7**	**46.8**	**47.3**	**50.9**	**3.7**	**3.9**	**6.0**	**5.8**	**4.8**

* कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर): डब्ल्यूपीआर को जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

तुलना के लिए, उपर्युक्त सर्वेक्षणों के परिणाम अर्थात श्रम ब्यूरो और पीएलएफएस को उस संदर्भ में समझने की आवश्यकता है जिसके साथ सर्वेक्षण पद्धति और प्रतिदर्श चयन तैयार किया गया है

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय और वार्षिक रोजगार बेरोजगारी सर्वेक्षण, श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा के दिनांक 10.02.2022 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1048 के भाग (ग) एवं (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत सृजित रोजगार का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	अनुमानित सृजित रोजगार (व्यक्तियों की संख्या)			
		2018-19	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22 15.11.2021 तक**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1832	744	1240	392
2	आंध्र प्रदेश	17760	17536	13392	7776
3	अरुणाचल प्रदेश	2240	1688	784	544
4	असम	29896	20824	23512	7904
5	बिहार	26424	17768	17536	6000
6	यूटी चंडीगढ़	224	112	80	64
7	छत्तीसगढ	24752	22488	21744	6600
8	दिल्ली	1056	744	592	320
9	गोवा	624	720	464	264
10	गुजरात*	28000	31864	22832	17032
11	हरियाणा	17320	16232	13920	5904
12	हिमाचल प्रदेश	11192	9808	9664	3520
13	जम्मू और कश्मीर	60232	42840	68600	77240
14	झारखंड	14376	12352	12176	3016
15	कर्नाटक	29256	29576	35504	17544
16	केरल	19888	19368	19112	7248
17	लक्षद्वीप	0	0	24	8
18	मध्य प्रदेश	20208	17644	38832	13072
19	महाराष्ट्र**	**45136**	**35232**	**24832**	**11760**
20	मणिपुर	10328	9384	12448	3144
21	मेघालय	3120	3016	2872	1368
22	मिजोरम	8984	6080	6480	1160
23	नागालैंड	9664	8872	5920	3344
24	ओड़िशा	24560	21744	25368	9040
25	पुड्डुचेरी	608	512	352	280
26	पंजाब	14408	13560	13216	5344
27	राजस्थान	18872	24200	22176	7744
28	सिक्किम	440	632	456	136
29	तमिलनाडु	41480	14376	41504	16408
30	तेलंगाना	16408	17424	16200	7664
31	त्रिपुरा	9432	7696	6736	2856
32	उत्तर प्रदेश	41944	48960	79952	34304
33	उत्तराखंड	17448	14752	17992	4672
34	पश्चिम बंगाल	19304	17776	16560	5512
35	यूटी लद्दाख	-	-	2248	984
	कुल	**587416**	**533224**	**595320**	**290168**

स्रोत: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
* दमन और दीव सहित
** दादरा और नगर हवेली सहित

अनुबंध -III

राज्य सभा के दिनांक 10.02.2022 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1048 के भाग (ग) एवं (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पं. दीन दयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के तहत प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार में नियोजित अभ्यर्थियों की कुल संख्या का राज्य-वार ब्यौरा

क्र.सं.	राज्य	वि.व. 18-19		वि.व. 19-20		वि.व. 20-21		वित्त वर्ष 21-22, 28 जनवरी 2022 तक	
		प्रशिक्षित	नियोजित	प्रशिक्षित	नियोजित	प्रशिक्षित	नियोजित	प्रशिक्षित	नियोजित
1	आंध्र प्रदेश	26,384	24,894	15,933	10,795	4,156	2,177	1,362	2,132
2	अरुणाचल प्रदेश	0	0	84	0	28	33	0	0
3	असम	16,725	7,397	11,993	13,862	1,966	3,296	302	603
4	बिहार	10,729	5,815	14,301	5,916	2,687	2,745	353	1,018
5	छत्तीसगढ	7,206	2,583	9,798	3,842	1,109	3,683	543	1,430
6	गुजरात	5,190	1,482	3,084	2,249	240	875	107	340
7	हरियाणा	1,712	3,329	1,948	6,013	26	1,213	0	0
8	हिमाचल प्रदेश	2,845	427	1,980	1,073	0	117	0	0
9	जम्मू और कश्मीर	4,283	689	10,516	1,319	3,454	1,945	113	290
10	झारखंड	9,668	3,585	12,866	8,224	1,050	1,879	151	351
11	कर्नाटक	7,895	5,411	5,797	7,226	769	1,649	68	301
12	केरल	13,736	9,656	12,812	8,390	3,053	2,931	674	718
13	मध्य प्रदेश	9,442	4,443	10,433	7,348	903	969	20	0
14	महाराष्ट्र	**19,321**	**4,500**	**13,521**	**12,765**	**874**	**3,319**	**0**	**1,358**
15	मणिपुर	598	0	1,780	573	338	387	93	89
16	मेघालय	829	253	1,518	686	83	158	92	92
17	मिजोरम	157	0	554	359	37	88	13	14
18	नागालैंड	301	0	1,220	403	221	278	35	218
19	ओड़िशा	41,545	31,237	43,278	30,607	7,978	7,729	1,810	2,257
20	पंजाब	2,787	1,443	2,002	1,311	2,922	1,931	780	865
21	राजस्थान	10,217	3,380	14,530	4,692	981	1,759	63	2,818
22	सिक्किम	64	64	462	32	0	43	0	0
23	तमिलनाडु	3,151	185	9,685	3,324	213	1,286	0	444
24	तेलंगाना	16,827	15,604	9,731	6,839	2,752	1,436	2,090	2,494
25	त्रिपुरा	1,816	2,082	1,407	524	21	609	80	0
26	उत्तर प्रदेश	18,284	4,839	24,895	7,341	1,540	4,068	81	989
27	उत्तराखंड	1,145	253	1,518	672	367	416	0	116
28	पश्चिम बंगाल	8,652	3,700	9,531	3,829	521	2,544	56	2,424
	कुल	**241,509**	**137,251**	**247,177**	**150,214**	**38,289**	**49,563**	**8,886**	**21,361**

स्रोत: ग्रामीण विकास मंत्रालय (**https://kaushalpragati.nic.in)**

अनुबंध -IV

राज्य सभा के दिनांक 10.02.2022 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1048 के भाग (ग) एवं (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीनरेगा) का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण – सृजित मानव रोजगार दिवस- महात्मा गांधी नरेगा (लाख में)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 as on 28.01.22
1	आंध्र प्रदेश	2,466	2,002	2593	2178
2	अरुणाचल प्रदेश	69	86	128	106
3	असम	533	624	914	671
4	बिहार	1,234	1,418	2283	1231
5	छत्तीसगढ	1,386	1,362	1841	1137
6	गोवा	0.1	0.3	1	0.8
7	गुजरात	420	354	482	481
8	हरियाणा	78	91	180	119
9	हिमाचल प्रदेश	285	259	336	286
10	जम्मू और कश्मीर	368	314	407	262
11	झारखंड	537	642	1176	975
12	कर्नाटक	1,045	1,119	1484	1390
13	केरल	975	802	1023	801
14	लद्दाख	लागू नहीं*	19	21	15
15	मध्य प्रदेश	2,029	1,931	3422	2602
16	महाराष्ट्र	**846**	**630**	**679**	**535**
17	मणिपुरी	117	234	332	284
18	मेघालय	342	370	384	267
19	मिजोरम	181	193	199	183
20	नागालैंड	133	138	180	122
21	ओड़िशा	830	1,115	2082	1774
22	पंजाब	204	235	377	302
23	राजस्थान	2,942	3,289	4605	3399
24	सिक्किम	34	29	37	28
25	तमिल नाडु	2,577	2,485	3339	2832
26	तेलंगाना	1,177	1,071	1579	1338
27	त्रिपुरा	253	344	437	345
28	उत्तर प्रदेश	2,121	2,445	3947	2811
29	उत्तराखंड	222	206	304	199
30	पश्चिम बंगाल	3,383	2,723	4141	3088
31	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	2	2	3	0.8
32	दादरा और नगर हवेली	0	0	0	0
33	दमन और दीव	0	0	0	0
34	लक्षद्वीप	0.1	0.04	0.02	0.005
35	पुडुचेरी	7	8	10	4
	कुल	**26,796**	**26,542**	**38,929**	**29,780**

हो सकता है कि पूर्णांक के कारण योग आंकड़ों से मेल ना खाएं।

स्रोत: ग्रामीण विकास मंत्रालय

अनुबंध -V

राज्य सभा के दिनांक 10.02.2022 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1048 के भाग (ग) एवं (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) के तहत नियोजन का राज्य-वार ब्यौरा - प्रशिक्षित नियोजित अभ्यर्थियों की संख्या

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
1	आंध्र प्रदेश	11486	54376	983	0
2	अरुणाचल प्रदेश	328	620	1	0
3	असम	719	464	1592	29
4	बिहार	2380	1250	1275	103
5	छत्तीसगढ	7163	5253	1149	71
6	गोवा	314	1253	160	248
7	गुजरात	8145	13202	4716	1034
8	हरियाणा	2059	4070	1804	601
9	हिमाचल प्रदेश	167	461	214	106
10	जम्मू और कश्मीर	85	202	84	1
11	झारखंड	16097	8604	2515	292
12	कर्नाटक	0	0	0	0
13	केरल	3232	4888	2508	165
14	मध्य प्रदेश	7824	34449	5599	1587
15	महाराष्ट्र	**15876**	**34722**	**34832**	**1226**
16	मणिपुर	0	104	87	0
17	मेघालय	157	212	17	1
18	मिजोरम	171	1535	838	158
19	नागालैंड	0	1	0	0
20	ओड़िशा	461	0	0	0
21	पंजाब	2213	1370	2398	633
22	राजस्थान	919	2734	1857	74
23	सिक्किम	0	246	0	0
24	तमिलनाडु	3767	3030	322	63
25	तेलंगाना	7691	5483	1876	0
26	त्रिपुरा	5	228	6	0
27	उत्तर प्रदेश	6729	924	2456	157
28	उत्तराखंड	3716	1069	77	0
29	पश्चिम बंगाल	6319	8949	3649	585
30	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0	0	0	0
31	चंडीगढ़	163	504	488	7
32	दादरा और नगर हवेली और डी एंड डी	0	0	0	0
34	दिल्ली	0	21	0	0
35	पुड्डुचेरी	0	0	0	0
	कुल	**108186**	**190224**	**71503**	**7141**

स्रोत: आवास और शहरी कार्य मंत्रालय